

PUBLICATION NAME : DANIK SAVARA .

DATE : 09-07-2013 .

PAGE NO : 06 .

सफेद सूंडी से मुकाबला करने के लिए आधुनिकतम जैव प्रौद्योगिकी तैयार

हिसार, 8 जुलाई (प्रवीन): भारत की कृषि जैव तकनीक कंपनी कैमसन बायोटेक्नोलॉजी लिमिटेड एंटैमोपैथोजेनिक नेमाटोड टैक्नोलॉजी के आधार पर जैविक कीटनाशकों की नवीन श्रृंखला पर अपना ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। कैमसन की जैविक प्रौद्योगिकी ई.पी.एन. की नवीनतम सफलताओं में से एक कैलटर्म सुपर किसानों को अपनी फसलों को हानिकारक

सफेद सूंडी, घातक गोलकृमि एवं दीमकों से निजात दिलाने में सहायता करेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष नायर ने बताया कि यह किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण-हितैषी है जिसे विभिन्न फसलों एवं अलग मृदा स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकता है तथा यह उन किसानों के लिए संकटमोचन बनकर आया है जो गोलकृमि वर्ग के कीटों से निरंतर परेशान रहते हैं।

सफेद सूंडी तथा गोलकृमि व दीमकों से किसानों को निजात मिलेगी

हिसार, 9 जुलाई (निस)। फसलों एवं भिन्न मृदा स्थितियों में भारत की अग्रणी कृषि जैव इस्तेमाल किया जा सकता है तथा तकनीक कंपनी कैमसन यह उन किसानों के लिये संकट बायोटेक्नोलॉजीज लिमिटेड मोचन बन कर आया है, जो एंटेमोपैथोजेनिक नेमाटोड गोलकृमि वर्ग के कीटों से निरंतर टेक्नोलॉजी के आधार पर जैविक परेशान रहते हैं। ईपीएन सफेद सूंडी, हानिकारक गोलकृमि, कीटनाशकों की नवीन श्रृंखला पर दीमक इत्यादि के संहार के लिये अपना ध्यान केंद्रित करने की नवीनतम जैव नियंत्रक योजना बना रही है। कैमसन की प्रौद्योगिकी ईपीएन की प्रौद्योगिकी है। गोलकृमि दो नवीनतम सफलताओं में से एक प्रकार के होते हैं हानिकारक 'लटर्म सुपर किसानों को अपनी गोलकृमि जो फसलों को बर्बाद फसलों को हानिकारक सफेद सूंडी, कर देते हैं और लाभदायक घातक गोलकृमि एवं दीमकों गोलकृमि जो हानिकारक से निजात दिलाने में सहायता करेगा। गोलकृमियों को नष्ट कर देते हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ईपीएन तकनीक ने लाभदायक संतोष नायर ने बताया कि यह गोलकृमियों का इस्तेमाल करने किफायती, सुरक्षित एवं की कला में महारथ हासिल कर पर्यावरण-हितैषी है, जिसे भिन्न ली है।